DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ & लाभ

मातृ दिवस पर विशेष

ममता का आंचल सर्वोत्तम छाया के रूप में होता है

• मां के किरदार को मुकम्मल करना संभव नहीं

–विशाल बेजलवासी

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

ममता का आंचल, त्याग की प्रतिमूर्ति, औलादनिसिनी, हमारा सबसे बड़ा संबल, हमारी पहली गुरु, दार्शनिक एवं मार्गदर्शक यह सभी शब्द मिलाकर भी मां के किरदार को मुकम्मल नहीं कर पाएंगे। उसकी ममता के लिए कोई पैमाना नहीं बना, उसकी त्यागमूर्ति का कोई बिंब नहीं है, उसके दायरे का कोई दूसरा नहीं है। एक-एक बिंदास बच्चों के बड़े से दोस्तों वाली मां अपने लिए नहीं सोचती है। लड़कपन पहले पर हमारी जरूरतमंद बन जाती है, लेकिन उसके जीवन की जंग-जीत में उसका वार्तालाप करने वाला कोई नहीं होता है। इस प्रकार से अपने बच्चों के लिए समर्पण का अर्थपूर्ण सर्वोत्तम छाया के रूप में होता है। शुभ लाभ दैनिक न्यूज पेपर से विशेष बातचीत में लोगों ने बताया कि मां की महिमा ही अलग होती है। मां का जज्बा जो होता है उसे भरपाना मुश्किल होता है। मां का अस्तित्व इस धरती के जीवन में बहुत अधिक होता है। एक बच्चे के लिए मां ही पहली शिक्षक होती है। जन्मदिन उसके ही लेकर जीवन के अविस्मरणीय क्षणों तक, छोटी से लेकर बड़ी सभी समस्याओं का समाधान देने के लिए बच्चा मां का मार्गदर्शन पाता है। यही वजह है कि मां को विशेष दर्जा दिया गया है। मां के महत्व को समझने और मां को आदर देने के लिए वर्ष में एक दिन ऐसा आता है जिसे हम मातृ दिवस के रूप में जानते हैं और मनाते हैं। बच्चे के सम्पूर्ण विकास के पीछे मां का ही हाथ होता है। बच्चों के लिए मां अपने जीवन का बलिदान दे देती है। मां के कई रूप होते हैं, लेकिन ममता के साथ बढ़ाती रहती है। कभी यह बच्चे की देखभाल के लिए उसकी मां की भूमिका अदा करती है, तो कभी दोस्त बन जाती है और जीवन पर एक सच्ची शिक्षक होती है। मां अपने बच्चे को खुश रखने के लिए हर संभव प्रयास करती है। हमारे जीवन में मां की हमारी सही भूमिका होने के बारे हमारा दायित्व बनता है कि हम अपनी मां का हर समय सम्मान करें। जिसका हो सके उसका साथ रखें। उसको खास महसूस कराने के लिए और दुनिया पर की सारी खुशियों के समान में, उन्हें उसके मातृत्व और समाज में दिए योगदान के लिए आभार जताने, हम हर वर्ष मातृ दिवस मनाते हैं। हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को मातृ दिवस मनाया जाता है, लेकिन सभी को हमारे जीवन में मां की भूमिका के महत्व का पता चल सके।
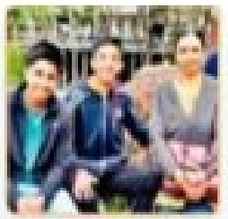
इनका कहना है